प्रोजेक्ट टाइगर

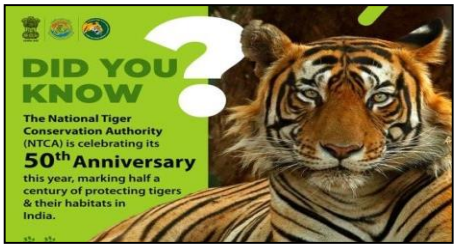

सन्दर्भ:

- भारत की 5वें चक्र के बाघ जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में बाघों की 6.74 प्रतिशत बढ़कर 2022 में 3,167 हो गई है।

मुख्य विशेषताएं:

- प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूर्ण हो गए हैं।
- पीएम ने 'अमृत काल' के दौरान बाघ संरक्षण के लिए सरकार के दृष्टिकोण को जारी करते हुए इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (आईबीसीए) का शुभारंभ किया।
- IBCA दुनिया की सात प्रमुख बड़ी बिल्लियों की सुरक्षा और संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- इसमें बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, प्यूमा, जगुआर और चीता शामिल होंगे, जो इन प्रजातियों को शरण देने वाले देशों की सदस्यता के साथ होंगे।
- दुनिया की लगभग 75 प्रतिशत बाघ आबादी अब भारत और इसके के बाघ अभयारण्यों में पाई जा सकती है।
- पूरे भारत में 54 टाइगर रिज़र्व हैं, जो 75,000 वर्ग किमी में फैले हुए हैं।
- प्रोजेक्ट टाइगर की पहल के तहत अप्रैल 1973 में बंगाल टाइगर को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित किया गया था।
- भारत में सबसे अधिक बाघों की आबादी वाले शीर्ष 5 टाइगर रिजर्व: जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड (बाघों का उच्चतम घनत्व)> बांदीपुर टाइगर रिजर्व, कर्नाटक> नागरहोल टाइगर रिजर्व,

प्रोजेक्ट टाइगर:

- टाइगर के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 1 अप्रैल, 1973 को केंद्र सरकार द्वारा प्रोजेक्ट टाइगर लॉन्च किया गया था।
- यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की केंद्र प्रायोजित योजना है।
- प्रोजेक्ट टाइगर को जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में लॉन्च किया गया।
- यह कार्यक्रम शुरू में विभिन्न राज्यों के नौ बाघ अभयारण्यों में शुरू किया गया था जो 14,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है: असम, बिहार, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल।
- प्रोजेक्ट टाइगर ने केवल बाघों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित नहीं किया।
    - यह उनके प्राकृतिक आवास के संरक्षण को भी सुनिश्चित करता है क्योंकि बाघ खाद्य श्रृंखला में शीर्ष पर हैं।
- टाइगर रिजर्व का गठन एक मजबूत रणनीति पर किया जाता है।
- इसके मुख्य क्षेत्रों को एक राष्ट्रीय उद्यान या अभयारण्य का कानूनी दर्जा प्राप्त है, जबकि

कर्नाटक> मुदुमलाई टाइगर रिजर्व, तमिलनाडु> काजीरंगा नेशनल पार्क, असम है।

- राज्यों में बाघ (2018 की जनगणना): मध्य प्रदेश (526) > कर्नाटक (524) > उत्तराखंड (442)

टाइगर के बारे में:

- बाघ (पेंथेरा टाइग्रिस) बिल्ली की सबसे बड़ी जीवित प्रजाति है जो पैंथेरा प्रजाति का सदस्य है।
- परंपरागत रूप से बाघों की आठ उप-प्रजातियों को मान्यता दी गई है, जिनमें से तीन विलुप्त (कैस्पियन टाइगर, जावन टाइगर, बाली टाइगर) हैं।
- संरक्षण की स्थिति: IUCN लाल सूची- लुप्तप्राय (Endangered)
- WPA 1972 - अनुसूची I
- साइट्स- परिशिष्ट I

बफर या परिधीय क्षेत्र वन और गैर-वन भूमि का मिश्रण हैं, जिन्हें बहु-उपयोग क्षेत्र के रूप में प्रबंधित किया जाता है।

एनटीसीए:

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक सांविधिक निकाय है।
- इसे टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद 2005 में स्थापित किया गया था।
- यह वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत स्थापित किया गया था, जिसे बाघ संरक्षण को मजबूत करने के लिए 2006 में संशोधित किया गया था।
- यह शीर्ष निकाय है जो 'प्रोजेक्ट टाइगर' का प्रशासन करता है।

  एनटीसीए हर चार साल में एक बार टाइगर टास्क फोर्स द्वारा अनुमोदित पद्धति का उपयोग करके बाघों, सह-शिकारियों, शिकार और आवास की स्थिति का देश-स्तरीय मूल्यांकन करता है।

संक्षिप्त सुर्खियां

रेकून स्टीलर (Raccoon Stealer)

सन्दर्भ:

- हाल ही में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और आयकर विभाग सहित केंद्र सरकार की आठ संस्थाओं को निशाना बनाने के लिए रेकून स्टीलर का इस्तेमाल किया गया था।

रेकून स्टीलर:

- रेकून स्टीलर (Raccoon Stealer) सूचना-चोरी करने वाले मैलवेयर है, जिसका उपयोग साइबर अपराधी आमतौर पर उपयोगकर्ताओं के ब्राउज़रों और क्रिप्टोकरंसी वॉलेट में सहेजे गए संवेदनशील डेटा को चोरी करने के लिए करते हैं।
- ब्राउज़र के मामले में, लक्षित डेटा में आमतौर पर कुकीज़, सहेजे गए लॉगिन विवरण और सहेजे गए क्रेडिट कार्ड विवरण शामिल होते हैं।
- क्रिप्टोक्यूरेंसी वॉलेट (इसलिए, 'क्रिप्टो-वॉलेट') के मामले में, लक्षित डेटा में आमतौर पर सार्वजनिक व निजी पासवर्ड और अन्य जानकारी शामिल होते हैं।
- एक बार संवेदनशील ब्राउज़र और क्रिप्टो-वॉलेट डेटा साइबर अपराधियों के हाथों में आ जाने के बाद, इसका उपयोग पहचान की चोरी, क्रिप्टोकरंसी की चोरी और क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी जैसी हानिकारक गतिविधियों को संचालित करने के लिए किया जाएगा।

मियावाकी वन

सन्दर्भ:

- मुंबई बीएमसी ने जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से निपटने के लिए, गोवंडी के देवनार गांव में मियावाकी जंगल बनाना शुरू कर दिया है।

मियावाकी वन के बारे में:

- वन को जापानी वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित तकनीक का उपयोग करके विकसित किया जाता है, जो कम समय में घने, देशी जंगलों का निर्माण करने में मदद करता है।
- इसमें प्रत्येक वर्ग मीटर के भीतर दो से चार प्रकार के देशी पेड़ लगाना शामिल है।
- मियावाकी पद्धति से एक जंगल को महज दो से तीन साल में विकसित किया जा सकता है जबकि परंपरागत तरीके से इसमें कम से कम 20 से 30 साल का समय लगता है।
- इस विधि से पौधों की वृद्धि दस गुना तेजी से होती है जिसके परिणामस्वरूप विकसित वन तीस गुना अधिक घने होते हैं।
- इस विधि में, पेड़ आत्मनिर्भर हो जाते हैं और 3 साल के भीतर अपनी पूरी लंबाई तक बढ़ जाते हैं।
- मियावाकी तकनीक के लक्ष्यों में जैव विविधता में सुधार, कार्बन का पृथक्करण,

हरित आवरण में वृद्धि, वायु प्रदूषण को कम करना और जल तालिका को संरक्षित करना शामिल है।

- मियावाकी के जंगल उन शहरों के लिए व्यवहार्य समाधान हैं जो तेजी से जलवायु लचीलापन बनाने की सोच रहे हैं।=

लीगो (LIGO)

सन्दर्भ:

- भारत सरकार ने 'लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी (LIGO)' परियोजना के निर्माण को मंज़ूरी दी।
- इससे देश की सबसे बड़ी वैज्ञानिक शोधशाला के निर्माण में मदद करेगा जो गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाने और उनका अध्ययन करके ब्रह्मांड की जांच करने के लिए चल रही वैश्विक परियोजना में शामिल होगी।

मुख्य विशेषताएं:

- LIGO प्रयोगशालाओं का एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है जो सितारों और ग्रहों जैसे बड़े आकाशीय पिंडों की गति से उत्पन्न स्पेसटाइम में होने वाली तरंगों का पता लगाता है।
- LIGO-India महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में मुंबई से लगभग 450 किमी पूर्व में स्थित होगा जिसमे 2030 से वैज्ञानिक कार्य शुरू होने की संभावना है।
- इसका निर्माण परमाणु ऊर्जा और विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा यू.एस. नेशनल साइंस फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन के साथ में किया गया है।
- LIGO-India गुरुत्वीय तरंग वेधशालाओं के इस अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का पांचवां और संभवतः अंतिम नोड होगा।
- **गुरुत्वीय तरंगें:** गुरुत्वीय तरंगें अंतरिक्ष-समय में 'तरंगें' हैं जो ब्रह्मांड में कुछ सबसे हिंसक और ऊर्जावान प्रक्रियाओं के कारण होती हैं।
- अल्बर्ट आइंस्टीन ने 1916 में अपने सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत में गुरुत्वाकर्षण तरंगों के अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी।
- गुरुत्वाकर्षण का पहली बार पता लगाने का काम 14 सितंबर, 2015 को दो यूएस-आधारित LIGO डिटेक्टरों द्वारा किया गया था।
    - ये गुरुत्वाकर्षण तरंगें 1.3 अरब साल पहले दो ब्लैक होल के विलय से उत्पन्न

हुई थीं।

- इस उपलब्धि को 2017 में नोबेल पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।
- इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और जापान में चार वेधशालाओं द्वारा नौ और गुरुत्वीय तरंग घटनाओं का पता लगाया गया है।

कॉमस्टॉक अधिनियम

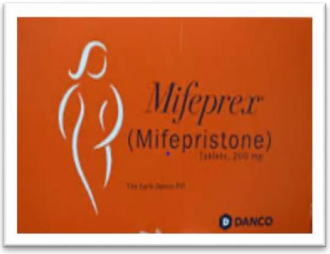

सन्दर्भ:

- 19वीं शताब्दी का "वाइस-विरोधी" कानून एक नए न्यायालय के फैसले के केंद्र में है जो यू.एस. में अग्रणी गर्भपात दवा तक पहुंच को खतरे में डालता है।
- हाल ही में, टेक्सास में एक संघीय न्यायलय ने फैसला सुनाते हुए ईसाई रूढ़िवादियों के साथ पक्ष लिया कि कॉमस्टॉक अधिनियम मेल के माध्यम से लंबे समय से इस्तेमाल की जाने वाली दवा भेजने पर रोक लगाता है।

कॉमस्टॉक अधिनियम:

- यह मूल रूप से 1873 में पारित किया गया था और इसका नाम एक एंटी-वाइस क्रूसेडर के नाम पर रखा गया था।
- कॉम्स्टॉक अधिनियम का उद्देश्य गर्भ निरोधकों, "अश्लील" लेखन और किसी भी "उपकरण, पदार्थ, दवा या वस्तु" की मेलिंग को प्रतिबंधित करना था जिसका उपयोग गर्भपात में किया जा सकता है।
- संघीय अदालतों और कांग्रेस द्वारा कानून के दायरे को बार-बार संकुचित किया गया है, जिसने 1970 के दशक में गर्भ निरोधकों के संदर्भ को समाप्त कर दिया। और कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, संघीय सरकार ने 1930 के दशक से कानून लागू नहीं किया है।

प्रदूषण की क्षोभमंडलीय उत्सर्जन निगरानी (टेम्पो)

सन्दर्भ:

- स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट ने नासा के एक नए उपकरण का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया जो उत्तरी अमेरिका में वायु प्रदूषण को ट्रैक कर सकता है।

मुख्य विशेषताएं:

- टेम्पो नासा का एक उपकरण है जो अंतरिक्ष से उत्तरी अमेरिका में वायु प्रदूषण को ट्रैक कर सकता है। यह वैज्ञानिकों को वायु प्रदूषकों और उनके उत्सर्जन स्रोतों को

पड़ोस के स्तर तक निगरानी करने की में मदद करेगा।

- टेम्पो एक वाशिंग मशीन के आकार का है जिसे अंतरिक्ष में एक रसायन प्रयोगशाला के रूप में वर्णित किया गया है
- टेम्पो की एक अनूठी विशेषता यह है कि इसे भूस्थैतिक कक्षा में इंटेलसेट संचार उपग्रह पर होस्ट किया जाएगा।
- मौजूदा प्रदूषण-निगरानी उपग्रह पृथ्वी की निचली कक्षा में हैं, जिसका अर्थ है कि वे एक निश्चित समय पर दिन में केवल एक बार अवलोकन प्रदान कर सकते हैं।
- टेम्पो वायुमंडलीय प्रदूषण को 4 वर्ग मील (10 वर्ग किलोमीटर) या इसके स्तर के स्थानिक विभेदन तक मापने में सक्षम होगा।
- यह पृथ्वी के भूमध्य रेखा से 35,785 किमी)22,236 मील गोलाकार एक ऊपर (है कक्षा जिसमे टेम्पो पृथ्वी के घूर्णन से मेल खाएगा, इसका अर्थ है कि यह एक ही स्थान (उत्तरी अमेरिका) पर हर समय रहेगा।

कैलटोरिस ब्रोमस सदाशिव

सन्दर्भ:

- लेपिडोप्टेरिस्ट्स के एक समूह ने केरल के अक्कुलम और वेम्बनाड झीलों के किनारे एक नई तितली उप-प्रजाति कैल्टोरिस ब्रोमस सदाशिव (Caltoris Bromus Sadasiva) की खोज की है।

मुख्य विशेषताएं:

- कैल्टोरिस ब्रोमस सदाशिव की खोज महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पश्चिमी घाट में स्किपर तितलियों की संख्या बढ़कर 83 हो गई है और तितली प्रजातियों की कुल संख्या बढ़कर 336 हो गई है।
- यह प्रजाति ब्रोमस स्विफ्ट बटरफ्लाई (कैल्टोरिस ब्रोमस) से संबंधित है, जो पश्चिमी घाट और प्रायद्वीपीय भारत में पाए जाने वाले लेपिडोप्टेरा के हेस्परिडे परिवार से एक स्किपर तितली है।
- कैल्टोरिस जीनस इंडो-ऑस्ट्रेलियाई है और इसकी 15 से अधिक प्रजातियां दक्षिण पूर्व एशिया में वितरित की जाती हैं, और कैल्टोरिस ब्रोमस उनमें से एक है, कैल्टोरिस ब्रोमस ब्रोमस और कैल्टोरिस ब्रोमस यानुका नाम की दो अन्य उप-

प्रजातियां हैं।

वेम्बनाड झील:

- यह केरल राज्य में स्थित भारत की सबसे लंबी झील है।
- यह भारत की सबसे बड़ी झीलों में से एक है, जो 200 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैली हुई है।
- यह झील अलप्पुझा, कोट्टायम, और एर्नाकुलम जिलों के बीच स्थित है जिसमे पेरियार, मुवत्तुपुझा, और अचेन्कोविल सहित कई नदियों से पानी मिलता है।
- वल्लम कली (नेहरू ट्रॉफी बोट रेस) एक स्नेक बोट रेस है जो हर साल अगस्त में वेम्बनाड झील में आयोजित की जाती है।
- इस झील के पूर्वी तट पर कुमारकोम पक्षी अभयारण्य स्थित है।
- भारत सरकार ने राष्ट्रीय आर्द्रभूमि संरक्षण कार्यक्रम के तहत वेम्बनाड आर्द्रभूमि की पहचान की है।

लीन डायबिटीज

सन्दर्भ:

- छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदायों में लीन डायबिटीज के मामले बढ़ते देखे जा रहे हैं।

मुख्य विशेषताएं:

- लीन डायबिटीज एक प्रकार का मधुमेह है जो उन व्यक्तियों को प्रभावित करता है जिनका बीएमआई कम होता है और जो अक्सर गरीब और कुपोषित होते हैं।
- इसके फेनोटाइप के बावजूद, मधुमेह के गंभीर दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। मधुमेह के रोगियों में रेटिनोपैथी, नेफ्रोपैथी, न्यूरोपैथी, पैरों में संक्रमण और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।
- डायबिटीज न्यूरोपैथी एक प्रकार की तंत्रिका क्षति है जो मधुमेह से जुड़ी है।
- इसमें मरीजों को अपने पैरों में झुनझुनी और दर्द का अनुभव हो सकता है, जो आगे चलकर सनसनी के पूर्ण नुकसान और पैर के गंभीर संक्रमण में बदल सकता है।
- मधुमेह के उपचार में रक्त शर्करा के स्तर की नियमित निगरानी, स्वस्थ आहार, व्यायाम और दवा शामिल है।

वित्त आयोग

सत्यमेव जयते
Finance Commission
Of India

सन्दर्भ:

- केंद्र सरकार 2026-27 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व बंटवारे के फॉर्मूले की सिफारिश करने के लिए इस साल नवंबर में सोलहवें वित्त आयोग का गठन करने की तैयारी कर रही है।

मुख्य विशेषताएं:

- वित्त आयोग, संघ और राज्य सरकारों के बीच कर राजस्व के वितरण पर सिफारिशें करने के लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत स्थापित एक संवैधानिक निकाय है।
- केंद्रीय बजट तैयार करते समय केंद्र सरकार द्वारा इसकी सिफारिशों को ध्यान में रखा जाता है और हर पांच साल में वित्त आयोग का गठन किया जाता है।
- भारत के राष्ट्रपति द्वारा वित्त आयोग में एक अध्यक्ष और चार अन्य सदस्य नियुक्त होते हैं।
- जनसंख्या, क्षेत्र, कर प्रयास, और वित्तीय अनुशासन जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच कर राजस्व के वितरण की सिफारिश करने के लिए आयोग जिम्मेदार है।
- यह आयोग भारत की संचित निधि से राज्यों को सहायता अनुदान की भी सिफारिश करता है।

सांख्यिकी में 2023 का अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

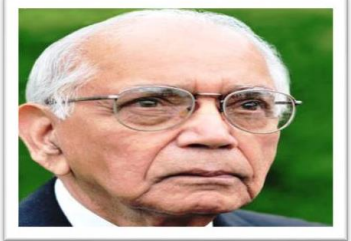

सन्दर्भ:

- भारतीय-अमेरिकी सी.आर. राव ने 102 वर्ष की आयु में सांख्यिकी में 2023 के अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार सांख्यिकी के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के समान माना जाता है।

मुख्य विशेषताएं:

- सांख्यिकी में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार हर दो साल में पांच प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकी संगठनों के सहयोग से दिया जाता है।
- यह पुरस्कार सांख्यिकी के क्षेत्र में किसी व्यक्ति या टीम द्वारा एक बड़ी उपलब्धि को मान्यता देता है, विशेष रूप से शक्तिशाली और मूल विचारों की उपलब्धि

जिसके कारण अन्य विषयों में व्यावहारिक अनुप्रयोग और सफलताएं मिली हैं।

- राव ने 1945 में कलकत्ता मैथमैटिकल सोसाइटी के बुलेटिन में प्रकाशित अपने शोध पत्र में, तीन मूलभूत परिणामों का प्रदर्शन किया था, जिन्होंने सांख्यिकी के आधुनिक क्षेत्र के लिए मार्ग प्रशस्त किया और आज विज्ञान में बड़े पैमाने पर उपयोग किए जाने वाले सांख्यिकीय उपकरण प्रदान किए।

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम

सन्दर्भ:

- हाल ही में गृह मंत्री ने अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले के एक सीमावर्ती गांव किबिथू में 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम' का शुभारंभ किया।

मुख्य विशेषताएं:

- केंद्रीय बजट 2022-23 में घोषित योजना का उद्देश्य भारत की उत्तरी सीमा पर के सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता को विकसित करना है, जिसमें हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और लद्दाख के क्षेत्र शामिल हैं।
- इस योजना के तहत ग्राम पंचायतों के सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा वाइब्रेंट विलेज एक्शन प्लान बनाया जाएगा।
- इस योजना का उद्देश्य उत्तरी सीमा पर सीमावर्ती गाँवों के स्थानीय, प्राकृतिक, मानव तथा अन्य संसाधनों के आधार पर आर्थिक चालकों की पहचान एवं विकास करने में सहायता करना है।
- इस योजना का लक्ष्य कौशल विकास और उद्यमिता के माध्यम से सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देना और युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाना है।
    - पर्यटन क्षमता का लाभ उठाना,
    - समुदाय आधारित संगठनों, सहकारी समितियों और गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से 'एक गांव-एक उत्पाद' की अवधारणा पर स्थायी पर्यावरण-कृषि व्यवसाय विकसित करना।

किबिथू गांव के बारे में:

- यह गांव भारत-चीन सीमा के करीब, समुद्र तल से लगभग 11,000 फीट की

	ऊंचाई पर स्थित है। • किबिथू में मेयर समुदाय का निवास है, जो अरुणाचल प्रदेश की सबसे पुरानी जनजातियों में से एक है। • इस क्षेत्र में कस्तूरी मृग, हिम तेंदुआ, और लाल पांडा सहित वन्यजीवों की कई प्रजातियों का निवास भी है। • सीमा से अपनी निकटता के कारण, किबिथू भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थान है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare